

**बच्चों में स्टार्टअप संस्कृति विकसित करने में माता-पिता की भूमिका**नरेश \*, कमल कुमार<sup>1</sup>, अनिल कुमार<sup>2</sup>, यशपाल सिंह बेरवाल<sup>3</sup>

\* पीएचडी स्कॉलर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

<sup>1,2</sup> असिस्टेंट प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, सीडीएलएसआईटी, पन्नीवाला मोटा, सिरसा<sup>3</sup> निदेशक प्रिंसिपल, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग, सीडीएलएसआईटी, पन्नीवाला मोटा, सिरसा**आलेख जानकारी**

प्राप्त: 19 दिसंबर, 2023

संशोधित: 16 फरवरी, 2024

प्रकाशित: 30 जून, 2024

संपादक: डॉ. यशशचंद्र द्विवेदी

**\* अनुरूपी लेखक**

Email:

[naresh.naresh30@gmail.com](mailto:naresh.naresh30@gmail.com)

9802680136

**खुला एक्सेस**

DOI:

यह क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन लाइसेंस

(http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/) की शर्तों के तहत वितरित एक ओपन एक्सेस लेख है, जो किसी भी माध्यम में अप्रतिबंधित उपयोग, वितरण और पुनरुत्पादन की अनुमति देता है, बशर्ते मूल कार्य उचित रूप से उद्धृत किया गया है।

<https://vih.rase.co.in/>

Copyright© DHE

**सारांश**

हाल के वर्षों में, स्टार्टअप और उद्यमिता के बारे में रुचि और गतिविधि में वृद्धि हुई है, यहाँ तक कि छोटे बच्चों में भी। चूंकि माता-पिता अपने बच्चों को भविष्य की नौकरी के परिदृश्य के लिए तैयार करना चाहते हैं, जो उद्यमी सोच वाले लोगों के लिए अधिक अवसर प्रदान करता है, कई लोगों का मानना है कि कम उम्र से ही "स्टार्टअप संस्कृति" विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। लेकिन माता-पिता बच्चों के बीच इस स्टार्टअप संस्कृति को विकसित करने में वास्तव में कैसे योगदान दे सकते हैं? यह कार्य कुछ प्रमुख तरीकों की खोज करता है जिसमें माता-पिता के दृष्टिकोण और व्यवहार आवश्यक कौशल, मानसिकता और मूल्यों का पोषण कर सकते हैं जो उद्यमी सोच और काम करने के तरीके के लिए अभिन्न हैं। सफल उद्यमियों के प्रमुख गुणों में से एक व्यावसायिक अवसरों को पहचानने की क्षमता है। माता-पिता बच्चों को उनके आस-पास की दुनिया में समस्याओं और अंतरालों को समाधान प्रदान करने के अवसरों के रूप में देखना शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। यह आशाजनक स्टार्टअप विचारों को पहचानने के लिए एक मूल्यवान कौशल में तब्दील हो सकता है। वर्तमान मामलों और सामाजिक मुद्दों पर नियमित रात्रिभोज की बातचीत जैसी सरल गतिविधियाँ युवा दिमागों को प्रणालियों का गंभीर रूप से मूल्यांकन करने, अपर्याप्तताओं को देखने और नए दृष्टिकोणों के साथ आने के लिए प्रशिक्षित कर सकती हैं। पारिवारिक खेल जिसमें रोज़मर्रा की वस्तुओं के लिए रचनात्मक उपयोग खोजना शामिल है, बच्चों की अवसर पहचान की क्षमता को भी बढ़ा सकते हैं। स्टार्टअप में एक मान्य व्यवसाय मॉडल पर पहुँचने से पहले बहुत सारे प्रयोग, प्रोटोटाइपिंग और पुनरावृत्ति शामिल होती है। माता-पिता बच्चों को बिना किसी असफलता के डर के नए समाधान आजमाने, धारणाओं को परखने और नए समाधान आजमाने के लिए बहुत सारे अवसर प्रदान कर सकते हैं। इसमें खाना बनाना, कला और शिल्प या खेलौनों की मरम्मत जैसी निर्माण गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं। बच्चों को उनकी गतिविधियों में उचित जोखिम उठाने की अनुमति देना लचीलापन सिखा सकता है और उन्हें अनिश्चितता के साथ सहज होने में मदद कर सकता है - दोनों आवश्यक उद्यमी गुण हैं। रटने की शिक्षा के विपरीत, उद्यमिता के लिए बॉक्स के बाहर सोचने और समस्या को हल करने की क्षमता की आवश्यकता होती है। बच्चों को सवाल पूछने और चीज़ों को सिर्फ दिखावे पर न लेने के लिए प्रोत्साहित करके, माता-पिता उनकी आलोचनात्मक क्षमताओं को विकसित कर सकते हैं। उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना और रोज़मर्रा के विषयों पर अपने तर्क को व्यक्त करना बच्चों को तर्क के साथ अपने तर्कों का समर्थन करने के लिए प्रेरित कर सकता है। ये आलोचनात्मक सोच की मांसपेशियाँ स्टार्टअप संस्थापकों को धारणाओं को चुनौती देने और नवाचारों को विकसित करने में सहायता कर सकती हैं। टीमवर्क, संचार और सहयोग आवश्यक स्टार्टअप कौशल हैं। प्रीस्कूल उम्र से ही समूह सीखने की गतिविधियाँ बच्चों को सहयोग करना सिखा सकती हैं। इसमें विचारों को साझा करना, जिम्मेदारियों को विभाजित करना, रचनात्मक प्रतिक्रिया प्रदान करना और विविधता की सराहना करना शामिल है - ये सभी मूल्य स्टार्टअप संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। ऐसे अनुभव सहानुभूति, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और नेतृत्व क्षमता भी विकसित करते हैं। स्टार्टअप को सफलता के बारे में अंतर्निहित अनिश्चितता का सामना करने के लिए नए विचारों को आगे बढ़ाने के लिए जबरदस्त आत्म-विश्वास और आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है। मनोवैज्ञानिक इस विशेषता का वर्णन करने के लिए "आत्म-प्रभावकारिता"

शब्द का उपयोग करते हैं। माता-पिता बच्चों में आत्म-प्रभावकारिता का पोषण कर सकते हैं, उन्हें वे जिम्मेदारियाँ लेने की अनुमति देकर जो वे करने में सक्षम हैं, उनके प्रयासों की प्रशंसा करें और यह विश्वास दिलाएँ कि उनके कार्य परिणाम उत्पन्न कर सकते हैं। यह अभिकर्तावादी विश्वदृष्टि पहल करने और उसे पूरा करने के लिए आवश्यक उद्यमी मानसिकता को जन्म देती है। आज स्टार्टअप परिदृश्य अत्यंत गतिशील और प्रतिस्पर्धी है। जैसे-जैसे एल्गोरिदमिक स्वचालन नौकरी के बाजारों को बदल रहा है, उद्यमी इनोवेटर्स को बढ़त मिल सकती है। बचपन से ही ऊपर वर्णित कुछ बुनियादी कौशल और मानसिकताओं को विकसित करके, माता-पिता हमारी अगली पीढ़ी के स्टार्टअप प्रतिभा को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। घर पर अवसर की पहचान, प्रयोग, आलोचनात्मक चिंतन, सहयोग और आत्म-प्रभावकारिता को बढ़ावा देने के लिए किए गए ठोस प्रयासों से शीघ्र ही नवाचार की चिंगारी प्रज्वलित हो सकती है और भविष्य के संस्थापकों को जन्म दिया जा सकता है।

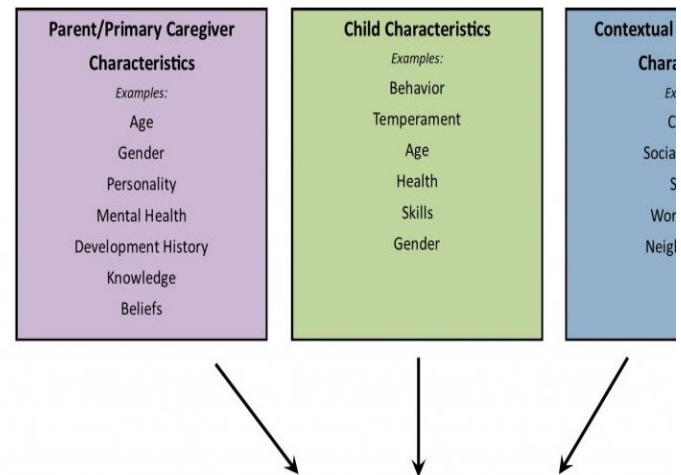
**कूट शब्द:** पेरेंटिंग, बाल विकास, स्टार्टअप संस्कृति, उद्यमिता, अवसर पहचान, प्रयोग

### परिचय

पिछले दशक में, उद्यमिता और स्टार्टअप ने पहले कभी नहीं देखी गई तरह से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कॉलेज के छात्रावास के कमरों में शुरू किए गए उपक्रमों के बारे में मीडिया में बहुत सी कहानियाँ हैं, जो अरबों डॉलर की बड़ी कंपनी बन गई हैं, और इस प्रक्रिया में पूरे उद्योग को बदल दिया है। स्टार्टअप एक्सेलरेटर का प्रसार, शार्क टैंक जैसे टीवी शो जो नवोदित उद्यमियों को वेंचर कैपिटलिस्टों को पिच करने की अनुमति देते हैं, और एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग जैसे उद्यमी-नायकों के उत्कापिंड उदय ने किसी की खुद की कंपनी शुरू करने की धारणा को बेहद महत्वाकांक्षी बना दिया है।

यह सिर्फ संभावित धन सृजन का लालच नहीं है जो लोगों को आकर्षित करता है। आज स्टार्टअप अपने आकार के अनुपात से कहीं ज़्यादा नवाचार, प्रभाव और प्रभाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। पारंपरिक कॉर्पोरेट नौकरियों की तुलना में फुर्तीला स्वभाव, सपाट संरचना, स्वायत्त कार्यशैली और कार्य करने वाली भूमिकाएँ भी कई लोगों को आकर्षक लगती हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि आज युवा प्रतिभाओं की बढ़ती संख्या के लिए स्टार्टअप अब पसंदीदा करियर विकल्प बन गए हैं [1]।

**चित्र 1: पालन-पोषण पर प्रभाव – पालन-पोषण और पारिवारिक विविधता के मुद्दे**

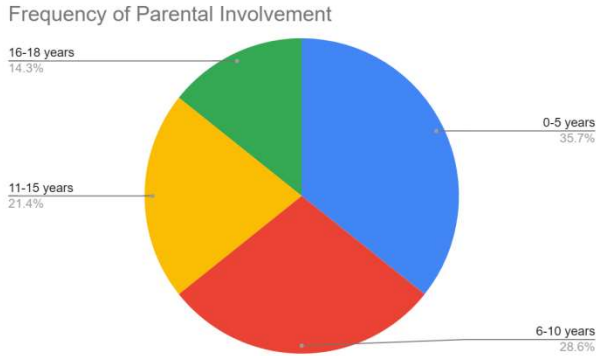


इसके अलावा, जैसा कि विभिन्न अनुमानों से पता चलता है कि अगले कुछ दशकों में ऑटोमेशन और एआई के कारण वर्तमान नौकरियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खत्म हो सकता है, उद्यमिता को भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण रोजगार कौशल के रूप में देखा जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फ़ोरम की 2018 की एक रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि युवा पीढ़ी के बीच उद्यमशीलता के गुणों को विकसित करना उन्हें इस बदलते नौकरी परिदृश्य के लिए तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण होगा [2]।

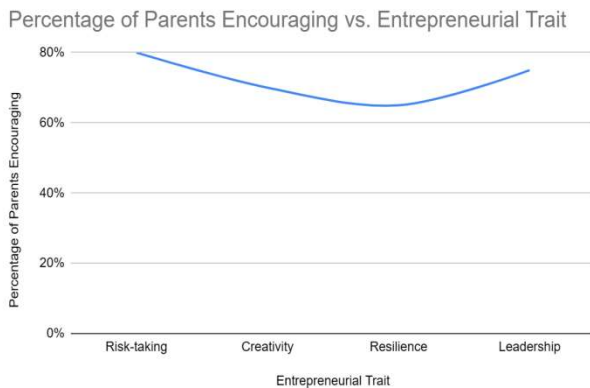
चूंकि माता-पिता स्वाभाविक रूप से अपने बच्चों के लिए सफल भविष्य की कल्पना करते हैं और उन्हें उसी के अनुसार तैयार करने का प्रयास करते हैं, इसलिए बचपन से ही उद्यमशीलता की संस्कृति को विकसित करने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। शिक्षकों और बाल विकास विशेषज्ञों का भी मानना है कि उद्यमशीलता के लिए आवश्यक कई बुनियादी गुण और योग्यताएँ न केवल कॉलेज में औपचारिक व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से बल्कि घर पर भी बहुत पहले विकसित की जा सकती हैं और होनी भी चाहिए।

इस पेपर का उद्देश्य कुछ प्रमुख तरीकों का पता लगाना है, जिसमें बच्चे के प्रारंभिक वर्षों के दौरान माता-पिता के दृष्टिकोण, व्यवहार और हस्तक्षेप आवश्यक स्टार्टअप कौशल और मानसिकता विकसित करने के लिए बीज बो सकते हैं। बाद के खंड स्पष्ट करते हैं कि माता-पिता रचनात्मक आदत-निर्माण और मूल्य-संचरण के माध्यम से, सफल उद्यमिता से जुड़ी विभिन्न संज्ञानात्मक और गैर-संज्ञानात्मक योग्यताओं का पोषण कैसे कर सकते हैं [3]। इनमें अवसर पहचान, प्रयोग और गणना जोखिम उठाना, आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान, सहयोग और टीमवर्क, संचार और नेतृत्व, और आत्म-प्रभावकारिता शामिल हैं।

चित्र 2: माता-पिता की भागीदारी



चित्र 3: माता-पिता द्वारा प्रोत्साहित किए जाने वाले उद्यमशील गुण



### शिक्षण अवसर मान्यता

एक महत्वपूर्ण विशेषता जो उद्यमियों को अलग करती है, वह है पर्यावरण में समस्याओं और अंतरालों की पहचान करने और उन्हें नवीन समाधानों और उत्पादों के लिए बाज़ार के अवसरों के रूप में समझने की क्षमता। पीटर ड्रुकर जैसे स्टार्टअप गुरुओं ने "नवाचार के स्रोतों की उद्देश्यपूर्ण खोज" और समस्या-केंद्रित से अवसर-केंद्रित लेंस में स्थानांतरित होने के महत्व पर जोर दिया है [4]।

माता-पिता कुछ सरल उपायों के माध्यम से बचपन में ही अवसर पहचानने और नवाचार विकास की ऐसी क्षमताओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं:

### जिज्ञासा और जिज्ञासा को बढ़ावा देना

बच्चों को उनके आस-पास की व्यवस्थाओं, प्रक्रियाओं, मानदंडों और उत्पादों के पीछे कैसे और क्यों के बारे में गहन प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण जिज्ञासा और दृष्टिकोण को बढ़ावा दे सकता है। उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करना और नियमित घरेलू मामलों पर अपने स्वयं के तर्क को व्यक्त करना बच्चों को तर्क के साथ अपने तर्कों का समर्थन करने और धारणाओं से बचने के लिए प्रेरित कर सकता है। रोज़मर्रा की बातचीत में चुनौतीपूर्ण प्रश्नों का स्वागत करना और इन प्रयासों

की सराहना करना यह संदेश देता है कि जिज्ञासा को महत्व दिया जाता है।

### क्षितिज का विस्तार

विविध अनुभवों, संस्कृतियों और सोच के मॉडल के संपर्क में आने से व्यक्ति के क्षितिज का विस्तार होता है और रचनात्मकता को बढ़ावा मिलता है। माता-पिता यात्रा, पुस्तकों, वृत्तचित्रों, भोजन, कला और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के साथ बातचीत के माध्यम से ऐसी प्रेरणा प्रदान कर सकते हैं। वैश्विक मुद्दों और दृष्टिकोणों के बारे में जागरूकता पैदा करने से युवा दिमागों को समाधान प्रदान करने के लिए नए संदर्भों की कल्पना करने का मौका मिलता है।

### भविष्य-संबंधी बातचीत

सामाजिक आवश्यकताओं, वर्तमान प्रणालियों में अपर्याप्तता, संभावित भविष्य के परिदृश्यों और नवीनतम आविष्कारों पर अक्सर पारिवारिक बातचीत में, विशेष रूप से भोजन के दौरान, अंतराल और अवसरों के बारे में जागरूकता पैदा होती है। इन्हें संबोधित करने योग्य मुद्दों के रूप में प्रस्तुत करना उद्यमशील समाधानों को प्रेरित करता है। लोगों को भविष्य में जिन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, उन पर अटकलें लगाने से भी प्रत्याशा और अंतर्दृष्टि बढ़ती है। इस तरह के नियमित खोज संवाद पैटर्न की पहचान और स्टार्टअप सोच में निहित अवसर विचार के लिए संज्ञानात्मक मांसपेशियों को लचीला बनाते हैं।

### रचनात्मक समस्या-समाधान खेल

नवाचार में अलग-अलग बिंदुओं को जोड़कर परेशान करने वाली समस्याओं के लिए चतुराईपूर्ण समाधान तैयार करना शामिल है। मनोरंजक गतिविधियाँ जो परंपराओं को चुनौती देती हैं, ऐसी रचनात्मक समस्या-समाधान और डिज़ाइन सोच क्षमताओं को बढ़ावा देती हैं। इनमें रोज़मर्रा की वस्तुओं के लिए नए उपयोग खोजने, बाधाओं के तहत समाधान में सुधार करने से लेकर मज़ेदार काल्पनिक समस्याओं को हल करने के लिए काल्पनिक उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करना शामिल हो सकता है। इन बेहद कल्पनाशील विचारों को बिना किसी बाधा के एक चंचल माहौल में साझा करने से संभावना सोच और पार्श्व नवाचार को बढ़ावा मिलता है।

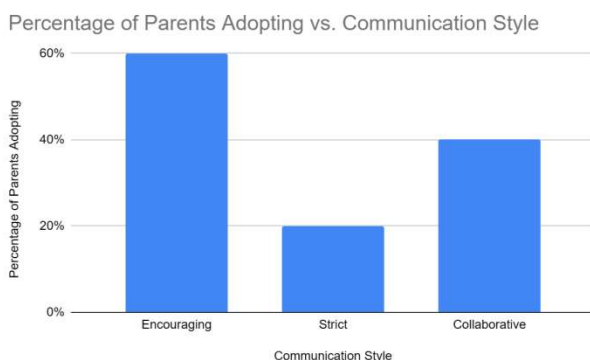
बच्चों के प्रारंभिक परिवेश में ऐसे अवसर पहचान बढ़ाने वाले तत्वों पर जानबूझकर जोर देकर, माता-पिता इस कम आंकी गई उद्यमशीलता महाशक्ति का विकास कर सकते हैं, जो भविष्य में बाज़ार सृजन करने वाले स्टार्टअप विचारों को जन्म देने का मार्ग प्रशस्त करती है।

### प्रयोग को बढ़ावा देना

प्रयोग स्टार्टअप प्रक्रिया का आधार बनता है जो विचारों को मान्यताओं और अनुमानों से क्रमिक रूप से विकसित करके मान्य मॉडल और उत्पादों में बदलने की अनुमति देता है जिन्हें ग्राहक पसंद करते हैं। जैसे-जैसे अवधारणाओं का परीक्षण किया जाता है, उनका अवलोकन किया जाता है, उन्हें बदला जाता है और बाजार की प्रतिक्रिया के आधार पर दोहराया जाता है, प्रारंभिक धारणाएँ समय के साथ काफी हद तक बदल जाती हैं। इस प्रकार तरल रूप से प्रयोग करने, किसी एक दृष्टिकोण से अपने अहंकार को जोड़े बिना गणना किए गए जोखिम लेते हुए नए समाधानों का प्रोटोटाइप बनाने की क्षमता अमूल्य हो जाती है।

मनोवैज्ञानिक "चंचलता" शब्द का उपयोग रचनात्मक प्रयोगात्मक शैली का वर्णन करने के लिए करते हैं जिसके माध्यम से बच्चे परिणामों की चिंता किए बिना स्वतंत्र रूप से संभावनाओं का पता लगाते हैं [5]। हालाँकि, वयस्कों के रूप में, गलतियाँ करने की चिंता अक्सर हमारी चंचल ड्राइव को बाधित करती है। हालाँकि, अध्ययनों से पता चलता है कि व्यावसायिक वातावरण में स्वीकार्य जोखिम के तत्व को शामिल करने से प्रेरणा, उत्पादकता और नवाचार को बढ़ावा मिलता है [6],[7]।

चित्र 4: माता-पिता की संवाद शैली



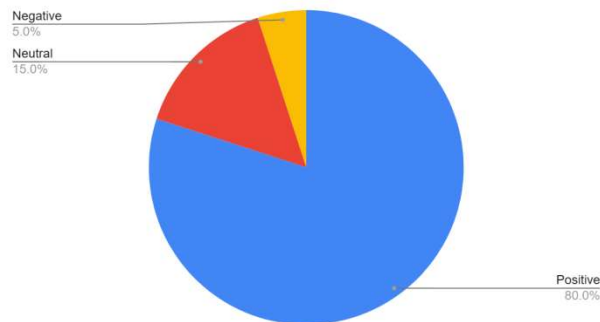
माता-पिता उद्यमशीलता संबंधी प्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण ऐसी चंचलता को जगा सकते हैं और बनाए रख सकते हैं:

## निर्माता गतिविधियों को बढ़ावा देना

खिलौने, खाद्य पदार्थ, कलाकृतियाँ, कहानियाँ या घरेलू गैजेट्स को ठीक करके रचनात्मकता का निर्माण, आविष्कार और अभिव्यक्ति करना पुनरावृत्त विकास सिखाता है। पूर्णता की चिंता किए बिना सामग्री का परीक्षण करने, रुचियों का पालन करने और तकनीकों का प्रयास करने का लाइसेंस प्रयोग करने की क्षमता और लचीलापन विकसित करता है। कमी से बहुतायत की सोच की ओर मानसिकता बदलने से भी बच्चे लचीले ढंग से नवाचार करने के लिए स्वतंत्र होते हैं।

चित्र 5: उद्यमिता के बारे में माता-पिता की धारणा

Percentage of Parents Viewing Entrepreneurship Positively



## उचित जोखिम की अनुमति देना

बच्चों को वे जिम्मेदारियाँ लेने की अनुमति देकर कदम-दर-कदम आत्म-प्रभावकारिता को बढ़ावा देना, जिन्हें वे संभालने में सक्षम हैं, यह सुनिश्चित करता है कि उनके कार्य अधिकांश समय वांछित परिणाम दें। सुरक्षित मापदंडों के भीतर कभी-कभार होने वाली गड़बड़ियों को सीखने के अनुभव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि असफलताओं के रूप में। ऐसे "जोखिम भरे" प्रयास आत्मनिर्भरता सिखाते हैं और भविष्य के ऐसे उपक्रमों को शुरू करने का आत्मविश्वास पैदा करते हैं जो प्रगति का वादा करते हैं लेकिन सफलता की गारंटी नहीं देते हैं - बिल्कुल स्टार्टअप की तरह।

## ग्रिट को मजबूत करना

प्रशंसा में बच्चों की अंतर्निहित प्रतिभा के बजाय उनके प्रयास, रणनीति और दृढ़ता पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि वे अपनी दृढ़ता के कारण परिणामों का श्रेय लें। दीर्घकालिक विकासात्मक उपक्रमों के प्रति जुनून का अनुकरण दृढ़ता सिखाता है। दृढ़ संकल्प के माध्यम से चुनौतियों पर काबू पाने की प्रेरणादायक कहानियों के संपर्क में आने से प्रयोग के माध्यम से शक्ति प्राप्त करने के लिए धैर्य और भी मजबूत होता है।

## सामान्यीकरण पुनरावृत्ति

बच्चे शायद ही कभी पहली बार में ही बेहतरीन अंतिम उत्पाद बना पाते हैं। उपलब्धियों के पीछे के पुनरावृत्त प्रयासों को उजागर करना - चाहे वह मैरी कॉम की मुक्केबाजी की उपलब्धियाँ हों या एडिसन के लाइटबल्ब जैसे प्रोटोटाइप - इस बात को पुष्ट करता है कि महारत धीरे-धीरे परीक्षण, त्रुटि और सुधार के माध्यम से विकसित होती है। स्कूल प्रोजेक्ट या घरेलू जिम्मेदारियों के पुनरावृत्त मसौदों की समीक्षा करने वाले माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि शुरूआती गलतियाँ केवल सुधार के लिए फीडबैक प्रदान करती हैं, विफलता के निर्णय नहीं।



घर पर शुरू से ही ऐसे प्रयोग-अनुकूल वातावरण को सक्रिय रूप से बढ़ावा देकर, माता-पिता बच्चों को रचनात्मक विचारों का परीक्षण करने, न्यूनतम व्यवहार्य उत्पादों के माध्यम से पहल को जोखिम मुक्त करने, तथा धारणाओं या अहंकार के बजाय अनुभवजन्य सीख के आधार पर इन्हें लगातार बढ़ाने की इस गहरी जड़ें जमाए स्टार्टअप मानसिकता को आत्मसात करने में मदद कर सकते हैं।

### आलोचनात्मक सोच विकसित करना

उद्यमियों को तीव्र आलोचनात्मक सोच क्षमताओं की आवश्यकता होती है - यथास्थिति पर सवाल उठाने, समस्याओं को फिर से परिभाषित करने, विवेकपूर्ण निर्णय लेने, अपरंपरागत अंतर्दृष्टि विकसित करने के लिए जो विघटनकारी स्टार्टअप को जन्म देती है। आलोचनात्मक विश्लेषण से ठोस सच्चाई सामने आती है और प्रगति को रोकने वाली धारणाओं का भंडाफोड़ होता है। माता-पिता बच्चों को प्रणालीगत अपर्याप्तताओं की आलोचना करने, तर्कपूर्ण तर्क देने के बजाय बेबाक राय देने, विविध दृष्टिकोणों पर विचार करने और विवेकपूर्ण निष्कर्ष निकालने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

### चीजों पर सवाल उठाना

प्राथमिक प्रभावक के रूप में माता-पिता को सामाजिक प्रथाओं या टिप्पणियों के बारे में सुसंगत पुष्टि नहीं, बल्कि तर्कपूर्ण आरक्षण व्यक्त करके खुद को स्वस्थ संदेह का मॉडल बनाना चाहिए। छोटे बच्चों से अनुवर्ती प्रश्न पूछना व्यापक बयानों या जल्दबाजी में की गई धारणाओं को चुनौती देता है, जिससे उन्हें सुसंगत तर्क के साथ राय का समर्थन करने के लिए प्रेरित किया जाता है। तथ्यों की पुनरावृत्ति से दृष्टिकोण औचित्य पर स्विच करना विश्लेषणात्मक जांच के लिए प्रेरित करता है। साझा सुनने और पढ़ने के सत्र प्रतिक्रियाशील प्रतिक्रियाओं को प्रशिक्षित कर सकते हैं।

### दुविधाओं पर बहस

नियमित रूप से परिवार के साथ भोजन की मेज पर नैतिक दुविधाओं, विवादास्पद विषयों या बहस योग्य निर्णयों पर बातचीत करना उचित असहमति के अवसर प्रदान करता है। बच्चों को स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति का बचाव करने, प्रति-तर्कों का सम्मान करने और सहयोगात्मक रूप से विकल्पों की खोज करने के लिए प्रेरित करना महत्वपूर्ण विवेक, सहानुभूति और नैतिक तर्क को बढ़ावा देता है। पाठ्यपुस्तकों के बाइनरी से परे वास्तविक दुनिया की जटिलताओं की जांच करना स्टार्टअप चुनौतियों के लिए आवश्यक परिष्कृत मूल्यांकन को बढ़ाता है।

### निर्णय विच्छेदन

जब बच्चे माता-पिता को मुश्किल घरेलू निर्णयों में संदर्भों, सिद्धांतों या मानसिक मॉडलों का मूल्यांकन करते हुए देखते हैं - न कि केवल भावनाओं को - तो यह महत्वपूर्ण विचार-विमर्श रणनीतियों को सामने लाता है। सहज बनाम सुविचारित प्रतिक्रियाओं की तुलना करने के लिए कभी-कभी हल किए गए

पारिवारिक संघर्षों पर फिर से विचार करना आवेग के बिना ध्वनि स्टार्टअप नेतृत्व निर्णयों के लिए चिंतनशील व्यवहार को मजबूत करता है।

### सुकराती वार्तालाप

प्रसिद्ध दार्शनिक संवादों की तरह, माता-पिता लक्षित खुले प्रश्नों के माध्यम से बच्चों की अपरिपक्व राय की जांच कर सकते हैं, जो अपर्याप्त डेटा या संकीर्ण धारणाओं जैसी सीमाओं को उजागर करते हैं। यह बच्चों को अपनी सोच में खामियों को पहचानने की अनुमति देते हुए शिक्षाप्रद सुधारों से बचता है। इस तरह के अभिभावकीय मार्गदर्शन से कई कोणों से मुद्दों की स्वतंत्र रूप से जांच करने की विश्लेषणात्मक क्षमता का निर्माण होता है, जैसा कि स्टार्टअप लीडर समस्या खोजने या अवसर मानचित्रण करते समय करते हैं।

युवा मस्तिष्कों को धारणाओं को तोड़ने, तर्कों का आकलन करने, सूचनाओं को संश्लेषित करने तथा तर्कहीन पूर्वाग्रहों या निराधार विश्वासों के बिना संतुलित राय बनाने के लिए सक्षम बनाना, स्टार्टअप के लिए अमूल्य है, जहां व्यवसाय की व्यवहार्यता जुनून या सामान्य बातों पर नहीं, बल्कि साक्ष्य-आधारित महत्वपूर्ण निर्णयों पर निर्भर करती है।

### सहयोग और नेतृत्व को बढ़ावा देना

अकेले प्रतिभाशाली आविष्कारक आइकन के विपरीत, सफल स्टार्टअप विविध टीमों के सहयोगी प्रयासों के माध्यम से उभरते हैं। इसलिए उद्यमी संस्थापकों को व्यक्तिगत आकांक्षाओं को समूह उपलब्धियों में बदलने के लिए मानव-केंद्रित क्षमताओं - सहयोग, समन्वय, संचार - की आवश्यकता होती है [8]। पेरेंटिंग दृष्टिकोण स्टार्टअप संस्कृति के लिए अभिन्न ऐसी सामाजिक क्षमताओं को गहराई से आकार देते हैं।

### सहकारिता बनाम प्रतिस्पर्धा

प्रीस्कूल से ही समूह शिक्षण गतिविधियाँ बच्चों को ज़िम्मेदारियाँ साझा करना, रचनात्मक प्रतिक्रिया के माध्यम से विचारों को एक साथ विकसित करना और विविधता की सराहना करना सिखाती हैं। ये अनुभव संघर्षशील अहंकारों पर सहयोग के स्टार्टअप मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। पारिवारिक संस्कृति को व्यक्तिगत उपलब्धियों से सहयोगी प्रयासों में बदलना, जहाँ प्रत्येक भूमिका अद्वितीय मूल्य जोड़ती है, नायक मानसिकता पर टीमवर्क का निर्माण करती है - सहक्रियात्मक प्रतिभाओं के माध्यम से स्टार्टअप को बढ़ावा देती है।

### छात्र-नेतृत्व वाली कक्षाएँ

स्टार्टअप संस्थापकों की तरह ही सहकर्म गतिविधियों का निर्देशन करने वाले बच्चे नेतृत्व की अंतर्ज्ञान का निर्माण करते हैं। माता-पिता बच्चों को घर के काम सौंपकर, परिवार के साथ किताबें पढ़कर सुनाकर या साझा करने और दयालुता पर केंद्रित सहकारी खेलों का प्रबंधन करके घर पर ऐसे स्वायत्त वातावरण बना सकते हैं। निर्देशों के बिना समूहों का मार्गदर्शन करने से आकस्मिक आयोजन और सलाह देने की क्षमता

**तालिका 1: उद्यमशीलता दक्षताओं को पोषित करने के लिए प्रमुख पालन-पोषण दृष्टिकोण।**

क्षमता	पालन-पोषण के दृष्टिकोण
अवसर पहचान	- प्रश्न पूछने के माध्यम से जिज्ञासा को बढ़ावा देना - विविध दृष्टिकोणों से परिचय - भविष्योन्मुखी वार्तालाप - रचनात्मक समस्या समाधान खेल
प्रयोग और गणनापूर्वक जोखिम उठाना	- निर्माता गतिविधियाँ - उचित जोखिम की अनुमति देना - धैर्य और दृढ़ता को मजबूत करना - पुनरावृत्ति को सामान्य बनाना
महत्वपूर्ण सोच	- चीजों पर सवाल उठाना - दुविधाओं पर चर्चा करना - निर्णय विच्छेदन - सुकराती प्रश्न पूछना
सहयोग और नेतृत्व	- प्रतिस्पर्धात्मकता की अपेक्षा सहयोग - छात्र-संचालित कक्षाएँ - पारिवारिक शक्ति का समानीकरण - परस्पर निर्भरता पर बल
आत्म प्रभावकारिता	- आत्मनिर्भरता का आधार - परोक्ष प्रेरणा - भविष्य की कल्पना - विकास मानसिकता वाला पालन-पोषण

**तालिका 2 : प्रारंभिक पालन-पोषण हस्तक्षेपों के माध्यम से विकसित प्रमुख स्टार्टअप गुण।**

स्टार्टअप गुणवत्ता	विवरण
अवसर-प्रथम मानसिकता	समस्याओं को समाधान के अवसर के रूप में देखना
प्रयोग की चपलता	न्यूनतम व्यवहार्य प्रयासों के साथ शीघ्रता से मान्यताओं का परीक्षण करना
आलोचनात्मक विवेक	यथास्थिति पर सवाल उठाना; साक्ष्य-आधारित निर्णय
टीमवर्क नैतिकता	अधिकार से नहीं प्रेरणा से नेतृत्व
लचीलापन	अनिश्चितता के बावजूद सफल होने की क्षमता में विश्वास
उपाय कुशलता	जो कुछ भी उपलब्ध है उससे मूल्य सृजन करना
पुनरावृत्तीय शिक्षण	निरंतर अनुकूलन को बढ़ावा देने वाले तीव्र फीडबैक लूप

### पारिवारिक शक्ति का स्तर बढ़ाना

माता-पिता का प्रभुत्व अक्सर बच्चों को असहमतिपूर्ण दृष्टिकोण व्यक्त करने या सिद्धांत पर सवाल उठाने से रोकता है- स्टार्टअप के लिए यह समस्याजनक है जो जमीनी स्तर पर सच्चाई बताने पर निर्भर करता है। जानबूझकर निर्देशों से बचना, नियमों के इर्द-गिर्द संवाद को आमंत्रित करना, आलोचनाओं या सुझाए गए बदलावों की सराहना करना

निष्क्रियता के बजाय मनोबल स्वामित्व का निर्माण करता है। नेतृत्व ऐसे मनोवैज्ञानिक रूप से सुरक्षित, लोकतांत्रिक वातावरण में नीचे से ऊपर की ओर खिलता है - स्टार्टअप के लिए खुद को लगातार नया रूप देने के लिए एक आवश्यक सांस्कृतिक तत्व।

### परस्पर निर्भरता पर जोर देना

स्टार्टअप की यात्रा में अनिश्चितता से निपटना शामिल है, जहाँ परिणाम विश्वसनीय टीमवर्क पर निर्भर करते हैं। माता-पिता के काम के रोटेशन से लेकर स्कूल प्रोजेक्ट तक, सामूहिक उद्देश्यों

को पूरा करने के लिए परिवार के सदस्यों की परस्पर निर्भरता पर जोर देना इस तरह के विश्वास, साझा नियति और जवाबदेही को मजबूत करता है। स्वास्थ्य के प्रति समन्वय करने वाले शरीर

के अंगों की उपमाओं का उपयोग करना सहक्रियात्मक स्टार्टअप टीमों के मूल सिद्धांतों को सिखाता है, जहाँ प्रत्येक भूमिका अद्वितीय, गैर-प्रतिस्थापन योग्य कर्तव्यों को वहन करती है।

बच्चों में बचपन से ही साथियों के साथ सामंजस्यपूर्ण ढंग से काम करने, समूहों का मार्गदर्शन करने, सभी क्षेत्रों से प्राप्त योगदान को महत्व देने, स्पष्टता के साथ संवाद करने तथा विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की क्षमता विकसित करना, वयस्कता में सहयोगी स्टार्टअप नेतृत्व के लिए आधारशिला रखता है।

### आत्म-प्रभावकारिता को बढ़ावा देना

परिवर्तनकारी स्टार्टअप विचारों को आगे बढ़ाने के लिए उत्साही आशावाद आत्म-प्रभावकारिता से उपजता है - व्यक्तिगत विश्वास कि किसी के कार्यों से बाधाओं के बावजूद वांछित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं [9]। अंतर्निहित अनिश्चितता के बावजूद किसी की क्षमता और रचनात्मकता पर भरोसा करते हुए पहल करने का यह विश्वास उद्यमी साहस के लिए महत्वपूर्ण है। माता-पिता इस तरह की एजेंसी और साहस का पोषण कर सकते हैं:

### आत्मनिर्भरता का ढांचा

बच्चों को ज़िम्मेदारियाँ सँभालने के लिए सक्रिय रूप से प्रेरित करना स्वाभाविक रूप से उनकी क्षमताओं में आत्मविश्वास पैदा करता है। उम्र के हिसाब से कपड़े पहनने, खेलने के लिए समय तय करने या स्कूल बैग पैक करने में स्वायत्तता उन्हें परिणामों का लेखक बनाती है। बच्चों को अत्यधिक निगरानी के बिना ऐसे घरेलू कामों को सँभालने की अनुमति देना सुनिश्चित करता है कि उनके कार्य पर्यावरण पर रचनात्मक प्रभाव डालते हैं, जिससे अनिश्चितता से भरे स्टार्टअप के लिए ज़रूरी आत्म-विश्वास के गुणों को मजबूत किया जा सके।

### परोक्ष प्रेरणा

विभिन्न चुनौतियों का दृढ़तापूर्वक सामना करने वाले नवोन्मेषकों और उद्यमियों की प्रेरणादायक कहानियों को मानवीय रूप देना यह सिखाता है कि सफलता के लिए दृढ़ निश्चय की आवश्यकता होती है, जन्मजात प्रतिभा की नहीं। वीर लेकिन दोषपूर्ण नायकों की ऐसी संबंधित कहानियाँ स्व-निर्देशित प्रयासों के माध्यम से बाधाओं पर काबू पाने के बारे में संभावना मॉडल का बीजारोपण करती हैं। उत्साहजनक उदाहरण असाधारण व्यक्तियों के अलग-अलग रूप में देखे जाने की धारणाओं को गलत साबित करते हैं जिससे बच्चों की बदलाव लाने वाली आत्म-प्रभावकारिता बढ़ती है।

### भविष्य की कल्पना

बच्चों को अपने सपनों के भविष्य के जीवन की कल्पना करने और उसका विशद वर्णन करने के लिए कहना - मान लीजिए कि अब से 10 साल बाद - महत्वाकांक्षाओं, जीवनशैली या सामाजिक प्रभाव की रूपरेखा बनाना मानसिक रूप से लक्ष्यों का अभ्यास करके आत्म-प्रभावकारिता को बढ़ावा देता है। माता-पिता के विश्वास से प्रेरित इस तरह की पहचान प्रक्षेपण स्व-निर्देशित उद्यम के माध्यम से आकांक्षापूर्ण स्वयं की ओर प्रगति करने के लिए एजेंसी को स्थानांतरित करता है। वयस्कता के उद्देश्यों को संयोग पर छोड़ने के बजाय, इस तरह की पहचान छाप आत्म-साक्षात्कार के लिए वाहनों के रूप में स्टार्टअप के लिए बीज बोती है।

### ग्रोथ माइंडसेट पेरेंटिंग

आत्म-प्रभावकारिता इस बात पर निर्भर करती है कि प्रतिभाएँ निश्चित उपहारों के बजाय जुनूनी प्रयासों से विकसित होती हैं [10]। माता-पिता परिणामों के बावजूद व्यक्तिगत प्रगति, रणनीतियों और धैर्य को मजबूत करते हैं, जिससे बच्चों को परिश्रम के माध्यम से एजेंसी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रशंसा व्यवहारिक प्रयासों की सराहना करनी चाहिए - व्यक्तिगत गुणों की नहीं - ताकि बच्चे स्टार्टअप जैसे सीखने के चक्रों के माध्यम से क्षमता बढ़ाने के नियंत्रण में महसूस करें।

ऐसी मनोसामाजिक रणनीतियों के माध्यम से बच्चों की आत्म-प्रभावकारिता को जानबूझकर बढ़ावा देकर, माता-पिता उद्यमशील स्टार्टअप यात्राएँ शुरू करने के लिए व्यक्तिगत एजेंसी और लचीलेपन का पोषण कर सकते हैं, जो अनिश्चितता के बावजूद संभावना का वादा करते हैं।

### निष्कर्ष

आज स्टार्टअप का प्रसार बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन और अत्यधिक आर्थिक उत्पादकता लाभ को जन्म देता है, जिससे उद्यमशीलता की क्षमताएँ रोजगार योग्यता कौशल में महत्वपूर्ण हो जाती हैं। इसके अलावा, स्टार्टअप सशक्त नेतृत्व, चुस्त निष्पादन और गतिशील रूप से अनुकूलन करने की क्षमता के मॉडल का प्रतिनिधित्व करते हैं - जो भविष्य के कार्य संदर्भों के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस तरह की स्टार्टअप प्रतिभा को विकसित करने का काम ज्यादातर बिजनेस स्कूलों पर छोड़ने के बजाय, माता-पिता घर पर ही उद्यमशीलता की भावना को सक्रिय कर सकते हैं।

प्रारंभिक वर्षों के दौरान प्राथमिक प्रभावक और पोषणकर्ता के रूप में, माता-पिता बच्चों में आवश्यक स्टार्टअप क्षमताओं का बीजारोपण कर सकते हैं, जिसमें आशाजनक अवसरों की पहचान करना, समाधानों का प्रयोग करना, आलोचनात्मक सोच, टीमों में सहयोग करना, अवधारणाओं का संचार करना और समूहों का नेतृत्व करना शामिल है। दैनिक अनुष्ठानों, खेलों और वार्तालापों के माध्यम से जिज्ञासा, रचनात्मकता, उचित

जोखिम-भूख, आलोचनात्मक प्रश्न, प्रतिस्पर्धा पर सहयोग और आत्म-प्रभावकारिता को सचेत रूप से बढ़ावा देकर, परिवार बच्चों की उद्यमशीलता क्षमता को तैयार कर सकते हैं।

स्टार्टअप के बारे में सोचने के लिए भूमिकाओं में तरलता, अस्पष्टता को दूर करना और समग्र समाधान बनाने के लिए विविध विशेषज्ञ इनपुट को संश्लेषित करना आवश्यक है। इस तरह के अनुकूली संज्ञान और व्यवहार बड़े पैमाने पर पोषण के माध्यम से विकसित होते हैं, न कि केवल प्रकृति से। व्यावसायिक रुचियों और शक्तियों के लिए आनुवंशिकी को जिम्मेदार ठहराए जाने के बावजूद, पेरेंटिंग हस्तक्षेप सक्रिय रूप से युवावस्था से ही स्टार्टअप से संबंधित योग्यताओं का निर्माण करते हैं। इस प्रकार प्रारंभिक शुरुआत युवा स्टार्टअप चमत्कारों की असाधारण उपलब्धियों को रेखांकित करने के लिए उद्यमी मानसिकता के लिए एक व्यापक रनवे प्रदान करती है।

इसलिए, उद्यमी कौशल-निर्माण को प्राथमिकता देने वाले माता-पिता बच्चों के भविष्य के लिए तराजू को झुका सकते हैं। घर के वातावरण और अनुष्ठान जो स्टार्टअप के लिए महत्वपूर्ण संज्ञानात्मक क्षमताओं और मूल्यों को बढ़ावा देते हैं - दशकों बाद विशेष व्यावसायिक शिक्षा की प्रतीक्षा किए बिना - बच्चों को परिवर्तनकारी उद्यमी आजीविका डिजाइन करने के लिए तैयार करते हैं। ऐसे विकासात्मक रूप से उपयुक्त हस्तक्षेपों को अपनाकर, आज पालन-पोषण कल स्टार्टअप प्रतिभा की एक नई पीढ़ी को सामने ला सकता है।

### संदर्भ

1. Giones, F.; Zhou, C. *The Digital Entrepreneurial Ecosystem—Toward a New Paradigm?*; *International Journal of Entrepreneurial Behavior & Research*; Emerald: Bingley, UK, 2020; Volume 26, pp. 573–608. [Google Scholar CrossRef](#)
2. World Economic Forum. *Eight Futures of Work: Scenarios and Their Implications*. (10 December 2022).
3. Obschonka, M.; Hakkarainen, K.; Lonka, K.; Salmela-Aro, K. *Entrepreneurship as a twenty-first century skill: Entrepreneurial alertness and intention in the transition to adulthood*. *Small Bus. Econ.* 2020, 55, 487–501. [Google Scholar CrossRef](#)
4. Drucker, P.F. *Innovation and Entrepreneurship*; Routledge: Abingdon, UK, 2014; ISBN 978-1-315-81204-8.
5. Bateson, P.; Martin, P. *Play, Playfulness, Creativity and Innovation*; Cambridge University Press: Cambridge, UK, 2013; ISBN 978-1-107-68417-2.

6. Bignotti A., le Roux I. (2016). *Unravelling the conundrum of entrepreneurial intentions, entrepreneurship education, and entrepreneurial characteristics*. *Acta Commercii* 16, 1–10. [10.4102/ac.v16i1.352 \[CrossRef\] \[Google Scholar\]](#)
7. Biraglia A., Kadile V. (2017). *The role of entrepreneurial passion and creativity in developing entrepreneurial intentions: insights from American homebrewers*. *J. Small Bus. Manag.* 55, 170–188. [10.1111/jsbm.12242 \[CrossRef\] \[Google Scholar\]](#)
8. Bosma N., Kelley D. (2018). *Global Entrepreneurship Monitor: Global Report 2018/2019. The Global Entrepreneurship Research Association (GERA)*. [\[Google Scholar\]](#)